



भमरांबिकाष्टकम् (आंध्र)

रवि सुधाकर वह्निलोचन रत्नकुंडल भूषिणी
प्रविमलंबुग मम्मु नेलेडि भक्तजन चिंतामणी
अवनि जनुलकु कोंगुबंगारैन दैवशिखामणी
शिवुनि पट्टपुराणि गुणमणि श्रीगिरि भमरांबिका ॥ 1 ॥

कलियुगंबुन मानवुलकुनु कल्पतरुवै युंडवा
वेलयगनु श्री शिखरमंदुन विभवमै विलसिलवा
आलसिंपक भक्तवरुलकु अष्टसंपद लीयवा
जिलुगु कुंकुम कांतिरेखल श्रीगिरि भमरांबिका ॥ 2 ॥

अंग वंग कलिंग काश्मी रांध्र देशमुलंदनू
पोंगुचुनु वरहाट कोंकण पुण्य भूमल यंदुनू
रंगुगा कर्णाट राट वराट देशमुलंदनू
श्रीगिणी देशमुल वेलसिन श्रीगिरि भमरांबिका ॥ 3 ॥

अक्षयंबुग काशिलोपल अन्नपूर्ण भवानिवै
साक्षि गणपति गन्नतल्लिवि सगुणान्वित शांभवी

मोक्ष मोसगोडू कनकदुर्गवु मूलकारण शक्तिवी
शिक्षजेतुवु घोरभवमुल श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 4 ॥

उग्रलोचन नटवधूमणि कोप्पु गलिगिन भामिनी
विग्रहंबुलकेल्ल घनमै वेलयु शोभनकारिणी
अग्रूपीठमुनंदु वेलसिन आगमार्थ विचारिणी
शीघ्रमुगनु वरम्मलित्तुवु श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 5 ॥

सोमशेखरु पल्लवाधरि सुंदरीमणि धीमणी
कोमलांगि कृपापयोधि कुटिलकुंतल योगिनी
जा मनंबुन बायकुंडुमु नगकुलेशुनि नंदिनी
सीमलोन प्रसिद्धिकेक्किन श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 6 ॥

भूतनाथुनि वामभागमु पोंदुगा जेकौटेवा
ख्यातिगनु श्रीशैलमंदु प्रीतिगा नेलकोटिवा
पातकंबुल बारद्रोलुचु भक्तुलन चेकौटिवा
श्वेतगिरिपै वेलसियुन्न श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 7 ॥

वेल्लिविरिसेन नी प्रभावमु विष्णुलोकमुनंदुना
पल्लविंचेनु नींदु भावमु ब्रह्मलोकमु नंदुना
तेल्लमुग कैलासमंदुन नेल्ललोकमुलंदुना
चेल्लुनम्म त्रिलोकवासिनि श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 8 ॥

तरुणि श्रीगिरि मल्लिकार्जुन देवरायल भामिनी
करुणतो मम्मेलुमम्मा कल्पवृक्षमु भृंगिनी
वरुसतो नी अष्टकंबुनु त्रासि चदिविन वारिकिन्
सिरुल निच्चेद वेल्लकालमु श्रीगिरि भ्रमरांबिका ॥ 9 ॥